CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-88
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते, और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, बुधवार, 03 जुलाई 2024

मोतीझील में दो दिन पहले मिली नाबालिग लड़की के शव की पहचान

मां ने जताई सामूहिक रेप के बाद हत्या की आशंका

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मोतिहारी, पूर्वी चंपारण जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मनरेगा पार्क के समीप 29 जून को मोतीझील से एक नाबालिग लड़की का शव बरामद हुआ था. आज सोमवार को उस शव की पहचान हो गयी. परिजनों ने कपड़े से पहचान की. एक पखवाड़ा से लड़की घर से गायब थी. लड़की की मां ने स्थानीय थाना में बेटी के अपहरण होने की आशंका जताते हुए तीन नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ आवेदन दिया था. अब शव मिलने के बाद लड़की की मां सामूहिक बालात्कार के बाद हत्या करने की आशंका जता रही है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र से एक शव बरामद हुआ है, जिसकी पहचान हो गई है. नगर थाना में मृतका के गुमशुदगी की रिपोर्ट उसकी मां ने लिखाई थी. इस मामले के अनुसंधान के क्रम में दो लोगों की पहचान की गई है. फॉरेंसिक और

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही दुष्कर्म के बारे में पता चलेगा. घटना की जांच की जा रही है.- कान्तेश कुमार मिश्रा, एसपी, मोतिहारी

मिली जानकारी के अनुसार कोल्हुअरवा का रहने वाला एक दंपती ठेला पर फल और सब्जी बेचता है. 16 जून की रात लगभग साढ़े आठ बजे नगर थाना क्षेत्र से उनकी 14 वर्ष की नाबालिग लड़की घर से गायब हो गई. काफी खोजबीन के बाद भी जब लड़की का कहीं पता नहीं चला, तो लड़की की मां ने नगर थाना में आवेदन देकर तीन नामजद और दो अज्ञात पर बेटी के अपहरण करने का आरोप लगाया, मृतका की मां ने बताया कि 16 जून के रात चौक पर ठेला लगाये हुए थी. घर से बेटी का फोन आया. वह पैसे लेकर चौक पर नमकीन खरीदने गई थी. जहां एक लड़के से बात करने लगी. रात में लड़का और लड़की को बात करते देख स्थानीय लोगों ने उनसे नाम पता पूछा, तो उनदोनों ने कुछ नहीं बताया. उसके बाद कुछ लोगों ने दोनों को थप्पड़ मारा, तो दोनों वहां से भाग गए. बेटी भागकर एक घर में घुस गयी, जहां से चार लोग जबरन उसको टेम्पू में बैठाया और घर छोड़ने की बात कहते हुए लेकर चले गये।मृतका की मां ने आरोप लगाया कि उन सबने ही बेटी के साथ गलत काम किया. बेटी की मौत हो गई, उसके बाद शव को नदी में फेंक दिया. मृतका की मां ने अपनी नाबालिग बेटी की मौत को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग की है. इधर पुलिस ने इस मामले में पूर्व में ही एक आरोपित को गिरफ्तार करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. पुलिस अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

बाइक सवार बदमाशों ने बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां

नवादा में गवाही से पहले मर्डर, 18 गोली मारकर हुई थी पति की हत्या

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बिहार, नवादा में पुरानी रंजिश को लेकर एक महिला की बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि महिला अपने जेठ के साथ बाइक पर सवार होकर नवादा से अपने गांव वापस लौट रही थी, तभी बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, अपराधियों को देख जेठ ने भागकर अपनी जान बचा ली लेकिन महिला खुद को उनकी गोलियों से बचा नहीं पाई, वह अपने पति की हत्या की गवाही देने वाली थी, लेकिन उससे पहले ही उसकी हत्या कर दी गई।पुलिस ने घटनास्थल से मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर आसपास भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतका नवादा जिले के दौलतपुर

निवासी ममता कुमारी है, जिसकी अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है, मृतक के जेठ राजेश प्रसाद ने बताया कि वो और उसके भाई की पत्नी बाइक पर नवादा से अपने गांव दौलतपुर लौट रहे थे, तभी उड़सा गांव के पहले ओवरटेक कर कुछ बाइक सवार सामने आए और बाइक रोकने को कहा, जिसके बाद उनके हाथ में हथियार देखकर वो बदमाशों के मंसूबे के समझ गए और अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकले।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ भाजपा नेता आशुतोष शंकर सिंह भी पहुंचे अयोध्या

भगवान श्री राम के दर्शन एवं प्रार्थना करेंगे

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर प्रभु श्री राम के दर्शन हेतु भगवान श्री राम की पावन धरती अयोध्या धाम जाने के क्रम में बिहार के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री सह- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी जी के साथ भाजपा नेता सह-कोषाध्यक्ष प्रदेश आशुतोष शंकर सिंह भी अयोध्या पहुंचे हैं।

भाजपा नेता आशुतोष शंकर सिंह ने बताया है कि रास्ते में विभिन्न जगहों पर हजारों कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के द्वारा लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का स्वागत किया गया। भाजपा नेता आशुतोष शंकर सिंह ने बताया है , लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ कई नेता अयोध्या पहुंचकर भगवान श्री राम का दर्शन करेंगे। प्रदेश में अमन चैन की शांति को लेकर भगवान से प्रार्थना किया जाएगा।

कारगिल शहीद मेजर चंद्रभूषण द्विवेदी की पुण्यतिथि मनाई जा रही, दी श्रद्धांजलि

पूर्व सभापति अंशुमान नन्दन सिंह एवं जन-सुराज नेता नीरज सिंह उद्योगपति ने दी श्रद्धांजलि

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

शिवहर, शिवहर जिले के पूरनहिया प्रखंड के चंडिहा गांव निवासी 1999के कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त मेजर चंद्रभूषण द्विवेदी की आज शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि देने वालों को तांता लगा हुआ है।

राजद नेता नवनीत कुमार झा, पूर्व सभापति अंशुमान नन्दन सिंह,जन सुराज नेता नीरज सिंह उद्योगपति , पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राधाकांत गुप्ता उर्फ बच्चू जी , सामाजिक कार्यकर्ता अजब लाल चौधरी, मुकुंद प्रकाश मिश्रा , संजय संघर्ष सिंह सहित अन्य प्रबुद्धजनों ने उनके पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। तथा कहां है कि भारत का प्रत्येक सैनिक मातृभूमि की सच्चा सपूत है, जिसके कारण हमारा देश और हम सुरक्षित है ऐसे सपूतों को सलाम।

वीरगति प्राप्त मेजर चंद्रभूषण द्विवेदी कारगिल युद्ध 2 जुलाई 1999 में अपने कर्तव्य का पालन करते हुए मातृभूमि की प्रति अदम्य साहस का परिचय

देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे।

उनकी साहसी पत्नी भावना द्विवेदी और पुत्री दीक्षा ने अपने पिता को उनके पराक्रम के लिए नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचकर रिट्रीट सेरेमनी में हिस्सा लिया और श्रद्धांजलि दी थी।

2 जनवरी 1961 को जन्मे शिवहर जिले के पूरनहिया प्रखंड के चंडिहा गांव निवासी शहीद मेजर चंद्रभूषण द्विवेदी कारगिल युद्ध में दुश्मनों को छक्के छुड़ाए थे। उस समय 315 फील्ड रेजीमेंट के उप कमान अधिकारी के पद पर सेवारत थे। तथा कर्नल के पद पर प्रोन्नति किया गया था।

शहीद मेजर चंद्र द्विवेदी के नाम पैतृक गांव के पास शहीद स्मारक स्थल बना हुआ है। सीतामढ़ी में भी बस स्टैंड के पास कारगिल चौक है। शहीद स्मारक स्थल का सौंदर्यीकरण एवं पहुंच पथ पर सरकार एवं प्रशासन का ध्यान नहीं होने के कारण जीर्ण –शीर्ण अवस्था में है। जरूरत है शाहिद के शहीद स्मारक को सौंदर्यीकरण एवं व्यवस्थित करने की तभी हम सच्ची श्रद्धांजलि शहीदों को दे सकते हैं।

काराकाट से चुनाव हारने वाले उपेंद्र कुशवाहा जाएंगे राज्यसभा

उम्मीदवारी पर NDA की हरी झंडी

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को एनडीए ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना प्रत्याशी बनाने का फैसला किया है. काराकाट लोकसभा सीट से चुनाव हारने के बाद अब उनका राज्यसभा जाना तय है. इससे पहले भी वह राज्यसभा के सांसद रह चुके हैं. लोकसभा, विधानसभा

और विधान परिषद के भी वह सदस्य रह चुके हैं.बिहार बीजेपी के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेजने का फैसला सभी सहयोगी दलों का है. उन्होंने कहा कि यह कदम कुशवाहा समाज के समर्थन को बनाए रखने के लिए उठाया गया है, जोकि बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटक है.

हाई प्रोफाइल मर्डर मिस्ट्री से पर्दा उठाएगी पुलिस

कई राज का हो सकता है खुलासा

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मोतिहारी, बिहार के मोतिहारी के हाई प्रोफाइल मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने के करीब मोतिहारी पुलिस पहुंच गई है. हालांकि अब तक एक के बाद एक यानी तीन गिरफ्तारी हो गई है, लेकिन हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है. एसआईटी की टीम हर गिरफ्तारी के बाद एक तार को दूसरे तार से जोड़कर मुख्य साजिशकर्ता तक पहुंचने की कोशिश कर रही है. सभी एंगल से जांच कर रही पुलिस अब तक के अनुसंधान में यह बात लगभग स्पष्ट हो गई है कि पुलिस की जो शुरुआती जमीन के विवाद में जिला पार्षद के हत्या की थ्योरी थी. उस पर अब पुलिस को भी भरोसा नहीं रहा है. पुलिस ने अब राजनीतिक हत्या के दिशा में अनुसंधान शुरू कर दिया है. फिलहाल, मोतिहारी पुलिस आगामी नरकटिया विधानसभा चुनाव और जिला परिषद के अध्यक्ष पर लगे अविश्वास प्रस्ताव में मृतक जिला पार्षद की भूमिका के एंगल पर जांच शुरू कर दी है.

हर कोई जानना चाहता है हत्या की असली वजह

चांदमारी चौक पर दिनदहाड़े हुए इस हाइप्रोफाइल मर्डर के बाद मोतिहारी में चर्चा और अफवाहों का बाजार गर्म है. हर कोई हत्या की असली वजह जानना चाहता है. बताया जाता है कि जिला पार्षद के हत्या के दो दिन पहले बंजरिया थाना क्षेत्र के फुलवारी में हनुमान दुबे के घर पर एक बैठक हुई थी. जिसमें लगभग 10 लोग शामिल हुए थे. जिसमें से 6 का नाम पुलिस के पास है और अन्य चार के नाम को पुलिस ढूढ़ रही है. हनुमान दुबे के यहां हुई बैठक में हनुमान दूबे, हत्यारा टिमन उर्फ निरंजन दुबे, लक्की, हरिशंकर पासवान, अविनाश उर्फ राजकुमार, अशोक यादव शामिल थे.

हत्याकांड में गिरफ्तार रमेश महतो ने पुलिस को बताया है कि हत्या के दो दिन पहले हुई बैठक के दौरान शराब लाकर उसी ने दी थी. रमेश ने यह भी बताया है कि हत्या के बाद हत्या में

शामिल अविनाश उर्फ राजकुमार को उसी ने हनुमान दुबे के कहने पर आदापुर बॉर्डर से होते हुए नेपाल के कलेया में पहुंचाया था. जहां से गुड्डू नाम के युवक ने अविनाश को अपने साथ लेकर वीरगंज चला गया.

निरंजन दुबे को मिली थी दस लाख की सुपारी?

रमेश ने यह भी बताया है कि जिला पार्षद की हत्या सुपारी किलिंग है. जिसके लिए दस लाख रुपये टिमन उर्फ निरंजन दुबे के पास रखे हुए है. पुलिस की जांच में अब यह महत्वपूर्ण बिंदु हो गया है कि अगर गांव के पैक्स चुनाव का मामला या फिर हनुमान दुबे के साथ स्थानीय वर्चस्व का कारण होता तो हनुमान दूबे हत्यारे टिमन दुबे उर्फ निरंजन दुबे (हनुमान दुबे का भतीजा) को दस लाख रुपये की सुपारी क्यों देगा?

ऐसे में पुलिस के सामने हत्या के दो कारण रह जाते है. पहला जिला परिषद अध्यक्ष पर लगे अविश्वास प्रस्ताव और दूसरा आगामी नरकटिया विधानसभा चुनाव. मोतिहारी के एसपी कांतेश मिश्रा ने बताया है कि एसआईटी हत्या के सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है.

छह दिन पहले गोली मारकर की थी हत्या

जिला परिषद के चर्चित जिला पार्षद सुरेश यादव की हत्या छह दिन पहले चांदमारी चौक पर गोली मारकर कर दी गई थी. घटना स्थल पर दो मोटरसाइकिल से चार हत्यारे पहुंचे थे. एक मोटरसाइकिल पर अविनाश उर्फ राजकुमार था जो घटनास्थल से थोड़ी दूर लाइनर की भूमिका में था. दूसरी मोटरसाइकिल पर तीन बदमाश थे. लक्की मोटरसाइकिल चला रहा था और हरिशंकर पासवान और टिमन उर्फ निरंजन दुबे हत्या करने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार हुए थे.